	+		=	
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 3 के अंक		कुल अंक

मध्यप्रदेश

उत्तर → (21)

लार्ड विलियम बैंटिक के चार आर्थिक सुधार निम्न हैं।

(1) लगान व्यवस्था में सुधार -

(2) औद्योगों का सुधार -

(3) सैनिक, असैनिक वेतन में कटौती -

(4) अपीलिय न्यायालय की समाप्ति —

(1) लगान व्यवस्था में सुधार :—

लार्ड विलियम बैंटिक ने लगान व्यवस्था में सुधार किया। उसने बंगाल उड़ीसा में लगान व्यवस्था नये तरीके से लागू की जिससे आय में बहुत वृद्धि हो गई। कम्पनी को आर्थिक लाभ हुआ।

(2) → उद्योगों का सुधार →

लार्ड विलियम ने उद्योगों का सुधार किया उसने उद्योगों में नई तकनीक का प्रयोग करवाया। नये उद्योगों का निर्माण करवाया।

(3) सैनिक व असैनिक वेतन में कटौती →

लार्ड विलियम बैंटिक ने सैनिक भत्तों में कटौती की। वर्षों के रिटायर्ड सैनिकों

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 4 के अंक		कुल अंक
—	+	4	=	4

मध्यप्रदेश

को वेतन देना बंद कर दिया। जिससे आय का बहुत बड़ा हिस्सा बच गया। कंपनी फायदे में थी।

(4) अपीलीय न्यायालय की समाप्ति :—

कैनिंग ने अपीलीय न्यायालय की समाप्ति करदी। उनमें व्यर्थ धन व्यय होता था। जिससे आर्थिक हानि होती है। व्यर्थ के न्यायालय को बंद करवा दिया। जिससे आर्थिक लाभ हुआ।

B
S
E
M
P

उत्तर → (22)

ब्रह्म समाज के चार सिद्धांत निम्न है —

(1) मूर्ति पूजा का विरोध —
(2) अंधविश्वास रूढ़िवादिता का विरोध —
(3) सामाजिक कुरीतियों का विरोध —
(4) निर्गुण निराकार ब्रह्म में आस्था —

पृष्ठ के अंकों का योग: 4

(5) | 4 | + | 4 | = | 8 |
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 5 के अंक | कुल अंक

(1) मूर्तिपूजा का विरोध →

ब्रह्म समाज ने मूर्ति पूजा का निरोध किया। मूर्तिपूजा, उपवास, यज्ञ आदि को व्यर्थ बताया। वह मूर्ति पूजा को व्यर्थ समझते थे। उनके अनुसार मूर्ति पूजा एक ढोंग है।

(2) सामाजिक रूढ़ियों का विरोध →

ब्रह्म समाज ने समाज में व्याप्त कुरीतियों का विरोध किया। विभिन्न वर्गों में फैली सामाजिक रूढ़ियों, कुरीतियों का विरोध किया। वे इनको दूर करना चाहते थे।

(3) सामाजिक कुरीतियों का विरोध →

ब्रह्म समाज के लोगों ने सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया उनको समाज से समाप्त करने के लिये दृढ़ संकल्प लिया। ये कुरीतियाँ समाज में विष घोल रही थी।

(4) निर्गुण निराकार ब्रह्म में आस्था →

ब्रह्म समाज के समर्थक निर्गुण निराकार ब्रह्म में आस्था रखते थे। वे मूर्तिपूजा के विरोधी थे। इनके अनुसार ईश्वर निराकार

BSEMP

4

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर → (23)

भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ करने के कारण →

(1) शोषण एवं अत्याचार —
(2) पूर्ण स्वतंत्रता में ही भारत का कल्याण —
(3) जापानी आक्रमण का भय —

(1) शोषण व अत्याचार :—

अंग्रेजी शासन के शोषण व अत्याचार ने भारतीय जनता की आंखें खोल दी। अंग्रेजों ने विभिन्न प्रकार से भारतीयों पर अत्याचार किये। जिससे जनता में असंतोष था।

(2) पूर्ण स्वतंत्रता में ही भारत का कल्याण →

भारत वासियों ने सोच लिया था कि पूर्ण स्वतंत्रता में ही भारत का कल्याण होगा। अब एक भी दिन अंग्रेजी शासन को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

7

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 7 के अंक		कुल अंक
8	+	—	=	8

(3) जापानी आक्रमण का भय →

भारत को जापान के आक्रमण का भय था। यदि शीघ्र ही भारत को अंग्रेजो से छुटकारा नहीं मिलेगा तो जापान भारत पर आक्रमण कर देगा। अंग्रेजी सेना लगातार हार रहीं थी।

भारत छोड़ो आंदोलन का महत्व →

(1) राष्ट्रीयता की भावना का विकास —
(2) अंग्रेजी शासन को धक्का —

(1) राष्ट्रीयता की भावना का विकास →

भारत छोड़ो आंदोलन से भारतीयों मे राष्ट्रीयता की भावना का विकास हुआ। उनमे आत्म विश्वास की भावना जागी वे अंग्रेजो के खिलाफ हो गये।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(2) अंग्रेजी शासन को धक्का →

भारत छोड़ो आंदोलन से अंग्रेजी शासन हिल गया। अंग्रेज भारतीयों से डरने लगे। उन्हे ऐसा लगने लगा कि अब बहुत दिनो तक भारत में नहीं टिक सकते।

8 | ७ + ५ = १२

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 8 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

निष्कर्ष → भारत छोड़ो आंदोलन जिस उद्देश्य से चलाया गया था उस उद्देश्य की प्राप्ति तो नहीं हुयी पर भारतीय जनता में स्वाधीनता की भावना का विकास हुआ।

५

उत्तर → (२४)

B S E M P

विज्ञान का योगदान →

विज्ञान ने आर्थिक व सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसे निम्न तथ्यों से उजागर होता है —

(1) विभिन्न रोगों का इलाज →

आज विज्ञान के विकास से विभिन्न प्रकार के रोगों पर विजय प्राप्त की जा सकी है। हैजा, चेचक, मलेरिया, टीवी. आदि असाध्य रोगों पर विजय प्राप्त कर ली है।

५

पृष्ठ के अंकों का योग

9	१५	+	५	=	१६
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 9 के अंक		कुल अंक

(१) परिवहन व संचार →

विज्ञान के विकास के कारण विभिन्न परिवहन के साधन व संचार के साधनों का विकास हो गया है जिससे दुनिया की दूरी कम हो गयी है।

तकनीकी का योगदान →

(२) विभिन्न प्रकार के घरेलू साधन →

तकनीकी विकास ने सामाजिक जीवन में विकास के लिये महत्वपूर्ण योगदान किया है। आज घरेलू उपयोग की वस्तुएं, रेफ्रीजरेटर, फ्रिज आदि का विकास हो गया है।

(३) कृषि में विकास →

नई तकनीक से कृषि में उत्पादन बढ़ गया है। कृषि में नई तकनीक, उन्नत बीज, प्रौद्योगिकी, यंत्र, आदि से कृषि विकास किया गया है जिससे आर्थिक व सामाजिक विकास हुआ है।

B S E M P

४

पृष्ठ के अंकों का योग

16	+		=	18
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 10 के अंक		कुल अंक

मध्यप्रदेश

उत्तर → (25)

सन् 1857 की क्रांति की असफलता के कारण निम्न हैं →

B (1) समय से पूर्व होना —
S (2) एकता का अभाव —
E (3) राष्ट्रीय भावनाओं का अभाव —
M (4) उचित नेतृत्व का अभाव —
P (5) आर्थिक कठिनाईयाँ —

(1) समय से पूर्व →

1857 की क्रांति की असफलता का प्रमुख कारण इसका समय से पूर्व होना था 31 मई की तिथि निश्चित की गयी पर 29 मार्च को कलकत्ता व 10 मई को मेरठ में प्रारंभ हो गई।

पृष्ठ के अंकों का योग

(2) एकता का अभाव →

सन् 1857 की क्रांति की असफलता का कारण एकता का अभाव होना भी था। कार्यक्रम निश्चित न होने से सभी क्रांतिकारी अपने-2 ढंग से क्रांति कर रहे थे। जिससे अंग्रेजो ने क्रांति को कुचल दिया।

(3) उचित नेतृत्व का अभाव →

1857 की क्रांति की असफलता का कारण उचित नेतृत्व का न होना भी था। नाना साहब की मृत्यु के बाद कोई भी ऐसा नहीं था जो क्रांति का उचित नेतृत्व कर सके।

(4) राष्ट्रीय भावनाओं का अभाव →

1857 की क्रांति की असफलता का कारण राष्ट्रीय भावनाओ का अभाव था। देश का अधिकांश जमीनदार, धनी वर्ग ने क्रांति में सहयोग नहीं दिया। राष्ट्रीय भावनाओं का अभाव था।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(ई) आर्थिक कठिनाई →

1857 की क्रांति की असफलता का कारण क्रांतिकारियों की आर्थिक कठिनाई भी थी। जिससे हथियार नहीं खरीद पाये और क्रांति का दमन हो गया।

उत्तर → (26)

आधुनिक भारत के सामाजिक जीवन में पांच विशेषताएं निम्न हैं :—

1. जाति प्रथा में शिथिलता —
2. रहन-सहन में बदलाव —
3. विवाह-प्रथा में बदलाव —
4. संयुक्त परिवार का विघटन —
5. स्त्रियों दशा में सुधार —

B S E M P

5
पृष्ठ के अंकों का योग

13

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 13 के अंक		कुल अंक
21	+	-	=	21

(1) जाति प्रथा में शिथिलता →

आधुनिक भारत में जाति प्रथा में शिथिलता आ गई। जाति प्रकार प्रथा का प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। अब विभिन्न जाति के लोग एक साथ रहते थे। कार्य करते थे।

(2)→ रहन-सहन व आचार-विचार में परिवर्तन →

आधुनिक भारत में लोगों के रहन-सहन में बदलाव आया। पश्चिम संस्कृति का प्रभाव बढ़ा। उनके विचारों में परिवर्तन आया। वे भारतीय संस्कृति की अवहेलना करने लगे।

(3) विवाह-प्रथा में परिवर्तन:-

आधुनिक काल में विवाह प्रथा में परिवर्तन आया। अब तलाक आदि होने लगे जबकि प्राचीन युग में यह सब नहीं होता था। विभिन्न जातियों में विवाह होने लगे। अंतर्जातीय विवाह होने लगे।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(14) [21] + [5] = [26]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 14 के अंक | कुल अंक

(4) संयुक्त परिवार का विघटन :—

आधुनिक काल में संयुक्त परिवार का विघटन हो गया। लोग अब अलग - अलग रहने में इच्छा अनुभव करते थे के संयुक्त परिवार में आस्था नहीं रही।

5

B S E M P

(5) स्त्रियों की दशा में सुधार :—

आधुनिक काल में स्त्रियों की दशा में बहुत सुधार हुआ। इनकी शिक्षा की व्यवस्था की गयी समाज में समुचित सम्मान प्राप्त हो गया। स्त्री को पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त थी।

[5]

पृष्ठ के अंकों का योग

15

26	+		=	26
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 15 के अंक		कुल अंक

उत्तर → (27)

(अथवा)

मुसोलिनी की भूमध्य सागरीय नीति →

(1) भूमध्य सागर की किलेबंदी करना —

(2) कोर्फ्यू की घटना —

(3) युगोस्लाविया पर अधिकार —

(4) अलबीनिया व टिराना से संधि —

(5) मोरक्को से टेंजियर की संधि →

पृष्ठ के अंकों का योग

(1) भूमध्य सागर की किलेबंदी :—

मुसोलिनी ने भूमध्यसागर की किलेबंदी आरंभ कर दी। उसने भूमध्य सागर को अपने अधिकार में व अपना

अपना प्रभाव जमाने के लिये सैनिक गुटबंदी कर ली। सैनिक दल वहाँ रखा।

(2) कोर्फ़ की घटना →

मुसोलिनी ने कोर्फ़ पर अपना अधिकार करने के लिये उसने एक समझौता किया। जिसके अनुसार कोर्फ़ पर मुसोलिनी का अधिकार हो गया।

(3) यूगोस्लाविया पर अधिकार :—

मुसोलिनी ने यूगोस्लाविया पर अधिकार करने की इच्छा से उस पर सैनिक कार्यवाही से यूगोस्लाविया पर अधिकार कर लिया। उसका अधिकार हो गया।

(4) अल्बीनिया की टिराना संधि:—

मुसोलिनी ने अल्बीनिया की टिराना से संधि कर ली।

BSEMP

(17) 26 + 5 = 31
योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 17 के अंक   कुल अंक

जिससे वहाँ उसका अधिकार हो गया। अपना साम्राज्य विस्तार कर लिया। अपनी शक्ति से उसने टिराना पर अधिकार कर लिया।

(5) मोरक्को की टंजिया से संधि →

मुसोलिनी ने मोरक्को की टंजिया से संधि कर के उस पर अपना प्रभाव जमा लिया। उसने वहाँ अपनी साम्राज्यवादी इच्छा को पूरी की और अपना साम्राज्य को फैलाया।

उत्तर → (28)

हिटलर की विदेश नीति। —

(1) विदेश नीति का उद्देश्य —
(2) वर्साय की संधि का उल्लंघन —
(3) संयुक्त राष्ट्र संघ से विच्छेद —

BSEMP

5
पृष्ठ के अंकों का योग

18 | 3 | + | — | = | 3 |
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 18 के अंक | कुल अंक

(4) पोलैण्ड पर आक्रमण —
(5) ऑस्ट्रिया पर अधिकार —

(1) हिटलर की विदेश नीति का उद्देश्य :—

हिटलर की विदेश नीति का उद्देश्य अपने साम्राज्य का विस्तार करना। विश्व का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बना चाहता था। उसने साम्राज्यवादी की नीति अपनाई।

(2) वर्साय की संधि का उल्लंघन :—

हिटलर ने सर्वप्रथम वर्साय की संधि का उल्लंघन किया उसने अपनी सैनिक शक्ति बढ़ाना लगा। उसने संधि को भंग कर दिया। उसने सैनिक प्रवृति को बढ़ावा दिया।

(3) राष्ट्र संघ से विच्छेद :—

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

31	+	5	=	36
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 19 के अंक		कुल अंक

मध्यप्रदेश

हिटलर ने सर्वप्रथम संयुक्त राष्ट्र संघ से विच्छेद कर लिया। उसने अपनी सैनिक शक्ति को बढ़ा और कई राज्यों को अपने साम्राज्य में मिला लिया।

(4) पोलैण्ड पर अधिकार →

हिटलर ने पोलैण्ड पर अधिकार कर लिया। जिससे इंग्लैण्ड, फ्रांस भी डरने लगे और इन्होंने इसे रोकने की कोशिश नहीं की। बल्कि उसे बढ़ावा दिया।

(5) आस्ट्रिया पर आक्रमण →

हिटलर ने आस्ट्रिया पर आक्रमण करके उस पर अपना अधिकार कर लिया। इस प्रकार उसने अपनी साम्राज्यवादी प्रवृत्ति को अपना कर अनेक राज्यों को बढ़ाया।

5

निष्कर्ष →

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि हिटलर की विदेश नीति ने द्वितीय विश्व युद्ध को प्रोत्साहन दिया। उसने अनेक राज्यों पर अधिकार कर लिया और इंग्लैण्ड फ्रांस को अपना

BSEMP

राष्ट्र बनाकर उन्हें लड़ने के लिये प्रेरित किया।

उत्तर → (29)

अकबर को निम्न कारणों से राष्ट्रीय सम्राट कहा जाता है—

(1) समान नागरिक सुविधायें →

(2) धर्म निरपेक्षता की नीति →

(3) नवीन धर्म की स्थापना व शांति →

(4) धार्मिक स्वतंत्रता →

(5) हिन्दू-मुस्लिम एकता पर जोर →

(6) राजनीतिक एकता की स्थापना →

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(1) समान ~~सर्व~~ नागरिक सुविधायें →

अकबर ने हिन्दूओं व मुस्लिमों को समान नागरिक सुविधायें प्रदान की। उसने सभी को समान जीवन यापन की सुविधायें प्रदान की।

(2) धर्मनिरपेक्षता की नीति →

अकबर ने धर्म निरपेक्षता की नीति को अपना कर समाज का ~~ब~~ संतोष प्राप्त किया। हिन्दुओं को अपने धर्म को मानने की स्वतंत्रता थी।

(3) नवीन धर्म की स्थापना →

अकबर ने सभी धर्मों की ~~ब~~ अच्छी बातों को लेकर एक नवीन धर्म की स्थापना की जिसे दीन-ए-इलाही धर्म कहा जाता है।

BSEMP

(4) धार्मिक स्वतंत्रता व शांति व्यवस्था →

अकबर के राज्य में धार्मिक स्वतंत्रता थी। साम्राज्य में शांति व सुव्यवस्था थी। जनता खुशहाल थी। सभी को अपने धर्म को मानने की स्वतंत्रता थी।

(5) राजनीतिक एकता की स्थापना →

अकबर ने साम्राज्य में राजनीतिक एकता की स्थापना की उसने संपूर्ण राज्य में एक ही शासन व्यवस्था लागू की। जिससे व्यवस्था थी।

(6) हिन्दू - मुस्लिम एकता पर जोर →

अकबर ने हिन्दू व मुसलमानों की एकता पर जोर दिया। उसने संस्कृति की एकता पर भी जोर दिया। वह हमेशा चाहता था कि हिन्दू - मुस्लिम एक हो जाये।

RSEMP

6
पृष्ठ के अंकों का योग

(23) | 45 | + | | = | 45 |

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 23 के अंक — कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

त के अंकों का योग

उत्तर → (30)

(अथवा)

थियोसॉफिस्ट →

सभी धर्म सच्चे हैं। थियोसॉफिस्ट का मानना है कि सभी धर्म सच्चे हैं। सभी का मूल एक है। परंतु हिन्दू व बौद्ध धर्म ज्यादा अच्छा है। वह धर्म परिवर्तन में विश्वास नहीं करते थे। उन्होंने कहा कि थियोसॉफिस्ट सभी धर्मों के लिये है। सभी इसे अपना सकते हैं।

आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान :—

(1) राष्ट्रीय चेतना जागृति में →

थियोसॉफिस्ट ने विभिन्न माध्यमों से राष्ट्रीय चेतना की जागृति फैलाई उन्होंने धर्म के आधार पर राष्ट्रीयता का पाठ पढ़ाया। भारतीय संस्कृति की महानता का ज्ञान कराया।

(2) भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम →

थियोसॉफिस्ट ने लोगों में भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम को बढ़ाया। और अपनी संस्कृति के महत्व को बताया।

(3) राजनैतिक जागृति →

थियोसॉफिस्ट ने राजनैतिक जागृति में भी योगदान दिया। उन्होंने अपने राजनैतिक अधिकारों के बारे में ज्ञान कराया।

(4) सामाजिक कुरीतियों का विरोध →

थियोसॉफिस्ट ने सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया और उन्हें दूर करने का प्रयास किया। आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान दिया।

(5) हिंदुत्व को ~~सब~~ के भारत का आधार →

थियोसॉफिस्ट ने हिन्दुत्व को भारत का आधार माना व हिन्दुत्व को सबसे श्रेष्ठ समझते थे। उनके प्रति प्रेम की

BSEMP

6
पृष्ठ के अंकों का योग

क्र.No. 24003

2007

(17)

योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 17 के अंक	कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

केन्द्र की सील

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक ....

5. परीक्षा का नाम ....

6. विषय कोड विषय ....

7. माध्यम .... दिनांक ....

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

(कृपया यहाँ से लिखना प्रारम्भ करें)

47+2 = 49

उत्तर → (1)

भारत में यूरोपीय जातियो के आगमन के दो कारण —

(1) व्यापार का विस्तार →

भारत में यूरोपीय जाति अपने साम्राज्य के विस्तार करने के लिये भारत आये।

(2) बहुमूल्य वस्तु व रत्न भारत में आयात करना →

यूरोपीय जाति भारत में बहुमूल्य वस्तुये व रत्न भारत में आयात करना चाहते थे इस लिये भारत आये।

B S E

पृष्ठ के अंकों का योग

18

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 18 के अंक	=	कुल अंक
49	+	3	=	52

उत्तर → (६)

बक्सर का युद्ध 1769 को अंग्रेजों और मीरकासिम के बीच लड़ा गया।

उत्तर → (७)

भारत मे राष्ट्रीय कांग्रेस के उद्देश्य →

1) संवैधानिक उपचार → भारत मे राष्ट्रीय कांग्रेस अंग्रेजों से संवैधानिक उपचार करना चाहते थे।

२) राष्ट्रीय चेतना की जागृति → कांग्रेस का उद्देश्य देश में राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना है। वह राष्ट्रीय भावना को प्रबल बनाना चाहते है।

उत्तर → (4)

साम्राज्य वाद → साम्राज्य वाद का अर्थ है ऐसे

3

पृष्ठ के अंकों का योग

साम्राज्य को बढ़ाना अर्थात् निर्बल राज्यों पर शक्तिशाली राष्ट्रों द्वारा अपना अधिकार करने की भावना को साम्राज्यवाद कहते हैं।

उत्तर → (इ)

द्वितीय विश्व युद्ध का तात्कालिक कारण →

जर्मनी द्वारा पोलैण्ड पर आक्रमण द्वितीय विश्व युद्ध का कारण था। 1939 को जर्मनी ने पोलैण्ड पर अधिकार करने के लिये उस पर आक्रमण कर दिया तो ब्रिटेन ने जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी इस प्रकार द्वितीय युद्ध प्रारंभ हो गया।

उत्तर (ई)

नाटो →

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में 12 राष्ट्रों के मध्य एक संधि समझौता पर हस्ताक्षर हुये जिसे नाटो कहा जाता है। 12 देशों में। नीदरलैण्ड, फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन नार्वे आदि शामिल थे।

रूस को पर अंकुश लगाने के लिये

B S E

6
पृष्ठ के अंकों का योग

20

58	+	4	=	62
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 20 के अंक		कुल अंक

इसका गठन किया गया।

उत्तर → (7)

पंचशील के सिद्धांत का प्रतिपादन 1954 को भारत के प्रधान मंत्री जवाहर लाल नेहरू व चीन के राष्ट्रपति चाऊ एन लाई ने किया।

उत्तर → (8)

प्रथम अंतरिक्ष यात्री "यूरी गागरिन" था। वह 12 अप्रैल, 1961 को अंतरिक्ष पहुँचा।

उत्तर → (9)

जन संचार के साधन निम्न है—

(1) रेडियो → अन्तर्संचार के साधनो मे रेडियो प्रमुखतम साधन है। इसने जानकारियों प्रसारित की

B S E

4

पृष्ठ के अंकों का योग

सं. No. 24009

(2)

2007

(17) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 17 के अंक | कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

केन्द्र की सील

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 8/3/07

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक

5. परीक्षा का नाम

6. विषय कोड [ ] [ ] [ ] विषय

7. माध्यम .... दिनांक........

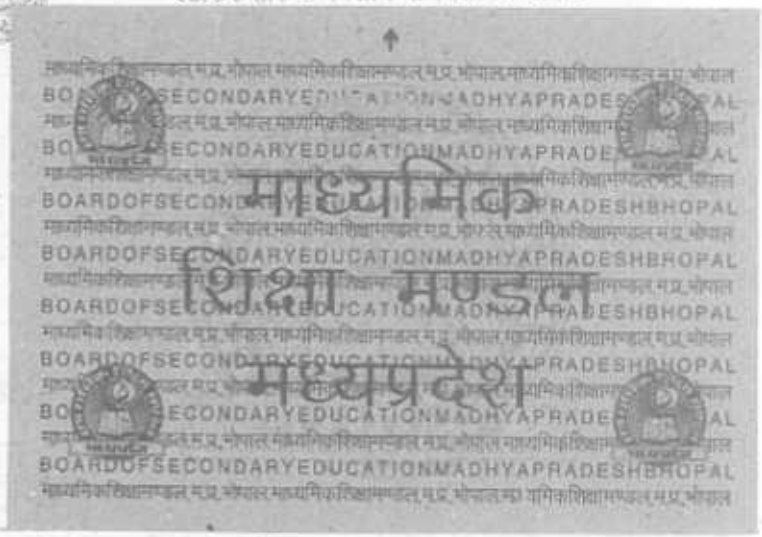

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

(कृपया यहाँ से लिखना प्रारम्भ करें)

62+4=66

(2) टेलीफोन →

टेलीफोन जन संचार के साधनों में प्रमुख साधन है। टेलीफोन से हम एक जगह बैठकर किसी दूसरी जगह पर रहने वाले से बात कर सकते हैं।

अन्य साधन → टेलीविजन, इंटरनेट, फेक्स, दूरदर्शन आदि

उत्तर → (10)

वंदेमातरम गीत के रचयिता" बंकिम चन्द्र चटर्जी हैं।

4

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर (11)

आंग्ल फ्रांसीसी संघर्ष के तीन कारण निम्न हैं—

(1) यूरोप में आंग्ल फ्रांसीसियों में प्रतिस्पर्धा—

(2) भारत में व्यापारिक प्रतिस्पर्धा—

(3) दोनों की राजनीतिक महत्वाकांक्षायें —

(1) यूरोप में आंग्ल फ्रांसीसी में प्रतिस्पर्धा →

आंग्ल फ्रांसीसी युद्ध का कारण यूरोप मे परस्पर प्रतिस्पर्धा चलती थी। जिसके परिणाम स्वरूप भारत में भी इनमे मतभेद हो गये। और युद्ध का कारण बने।

(2) भारत में व्यापरिक प्रतिस्पर्धा →

भारत में दोनों ही अपने व्यापार को फैलाना चाहते थे जिससे इनमे मतभेद उत्पन्न हो गये। और युद्ध का कारण बने।

B S E

(४) दोनों की राजनीतिक महत्वाकांक्षायें ->

दोनों ही कम्पनियाँ भारत में अपना साम्राज्य का विस्तार करना चाहते थे। इसलिये वे एक दूसरे के खिलाफ गुटों का निर्माण कर रहे थे जो युद्ध का कारण बने।

3

उत्तर -> (१२)

होमरूल आंदोलन ->

होमरूल आँदोलन की उत्पत्ति या प्रेरणा आयरलैण्ड से हुई। होमरूल आंदोलन की निर्माण ऐनी बीसेण्ट ने की थी।

इसके निम्न उद्देश्य थे ->

(1) राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना। देश के सभी क्रांतिकारियों को एक जुट करना।

3

(२) गरम दल व नरमदल में एकता स्थापित करना।

(३) सभी देश के भक्तों को एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना चाहते थे। जिससे देश स्वतंत्र होजाए

उत्तर → (13)

कांग्रेस द्वारा क्रिप्स मिशन को अस्वीकृत करने के कारण

(1) जनता के हितों की उपेक्षा → क्रिप्स मिशन में अंग्रेज सरकार ने भारतीय जनता के हितों की उपेक्षा की नवाबों व राजाओं को शक्ति प्रदान करके।

(2) ~~जिन्ना की हठ~~ → हितों की उपेक्षा। क्रिप्स मिशन की असफलता का कारण जिन्ना की हठधर्मी था। उसने मुस्लिम बहुलों के नाम देने का अधिकार की मांग की।

B S E

(3) पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की उपेक्षा → क्रिप्स मिशन की असफलता का कारण अंग्रेजों द्वारा पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की उपेक्षा करना था।

~~[illegible]~~

उत्तर → (14)

शिमला सम्मेलन → पं. जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में रावी नदी के तट पर एक सम्मेलन हुआ। जिसमें निम्न निर्णय लिये →

Q. No. 24002

2007

(17)

	+		=	
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 17 के अंक		कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

केन्द्र की सील

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक ....

5. परीक्षा का नाम ....

6. विषय कोड | | | | विषय ....

7. माध्यम .... दिनांक ....

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

(कृपया यहाँ से लिखना प्रारम्भ करें)

74+2=76

~~असफलता के कारण~~ → निर्णय →

(1) औपनिवेशिक स्वराज्य के स्थान पर पूर्ण स्वराज्य की मांग।

(2) नेहरू रिपोर्ट के कार्यक्रम को निरस्त करना। ~~और~~

(3) सविनय अवज्ञा आंदोलन के कार्यक्रम को अपनाना।

(4) सभी कांग्रेसी अपनी शक्ति का प्रयोग स्वतंत्रता में लगायें।

असफलता के कारण →

जिन्ना की हठधर्मी के कारण शिमला सम्मेलन असफल हुआ।

B S E

2

पृष्ठ के अंकों का योग

(18) 76 + 3 = 79

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 18 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

उत्तर 19 (इ)

जर्मनी की महत्वाकांक्षा ने प्रथम विश्व युद्ध को भड़काया इसे निम्न कथनों से समझा जा सकता है—

(1) जर्मनी की साम्राज्यवादी नीति ⇒

जर्मन ने अपनी साम्राज्यवादी नीति के आधार विश्व राजनीति को दूषित कर दिया। इसने अनेक राज्यों को जर्मनी में मिला लिया।

3

B (2) पोलैण्ड पर आक्रमण ⇒

S जर्मनी ने अपनी साम्राज्यवादी नीति के अनुसार पोलैण्ड पर अधिकार कर लिया और साम्राज्य विस्तार किया।

E

(3) चेकोस्लोवाकिया पर अधिकार ⇒

जर्मनी ने चेकोस्लोवाकिया पर अधिकार कर ली जिससे सिद्ध होता है कि वह साम्राज्यवादी सैनिकवादी था।

अतः स्पष्ट होता है कि उसकी महत्वाकांक्षा प्रथम विश्व युद्ध के लिये जिम्मेदार है।

7

पृष्ठ के अंकों का योग

79	+	3	=	82
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 19 के अंक		कुल अंक

मध्यप्रदेश

उत्तर- (16)

सुरक्षा परिषद का गठन ->
सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्य व 10 अस्थायी सदस्य होते है। सुरक्षा परिषद विश्व शांति का प्रयास करता है।

कार्य ->

(1) विश्व शांति की व्यवस्था ->
सुरक्षा परिषद विश्व शांति के लिये प्रयास करती है। वह विभिन्न विवादों को सुलझाती है।

(2) बजट देना ->
सुरक्षा परिषद बजट को महासभा को भेजने कार्य करती है। वह वार्षिक ब्योद प्रदान करती है।

उत्तर -> (17)

अमेरिका के उदय के कारण ->

BSE

3

पृष्ठ के अंकों का योग

(20) 82 + 2 = 84

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 20 के अंक | कुल अंक

(1) उपभोक्ता वस्तुओं की विविधता → संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्कर्ष में उपभोक्ता वस्तुओं की विविधता ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(2) जलशक्ति का विकास → द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने जलशक्ति को मजबूत किया। जिससे वह महाशक्ति बन गया।

(3) परमाणु शस्त्रों का निर्माण → अमेरिका के विश्व शक्ति के रूप में उत्कर्ष का कारण परमाणु शस्त्रों शस्त्रों का निर्माण भी था। उसने अनेक शस्त्र बनाये।

उत्तर → (18)

निःशस्त्रीकरण के मार्ग में बाधाओं का वर्णन →

(1) विभिन्न देशों का ~~अविश्व~~ अविश्वास की भावना → निःशस्त्रीकरण के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा विभिन्न देशों का आपसी विश्वास

पृष्ठ के अंकों का योग

17

	+		=	
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 17 के अंक		कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

पुस्त उ.पु. 4 पृष्ठ

1. केन्द्र की C. No. 24002

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक ....

5. परीक्षा का नाम ....

6. विषय कोड | | | | विषय ....

7. माध्यम .... दिनांक ....

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

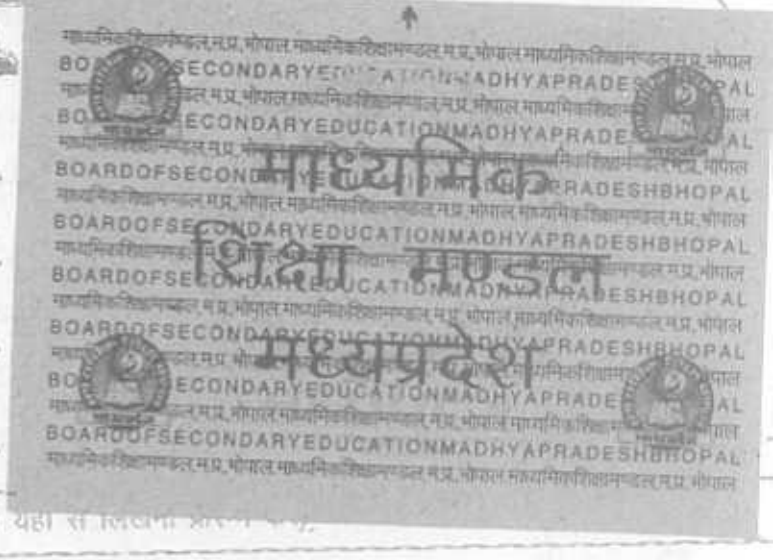

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल

कृपया यहाँ से लिखना आरम्भ करें।

84+3=87

की भावना है।

(2) शस्त्रास्त्र उत्पन्न करने वाली फर्मों का स्वार्थ →

शस्त्र उत्पन्न करने वाली फर्मों के स्वार्थ भावना के कारण नि:शस्त्रीकरण नहीं हो पा रहा है। नि:शस्त्रीकरण से उनको आर्थिक हानि होगी।

3

(3) विभिन्न देशों का शस्त्रों के बारे में मतभेद →

विभिन्न देशों का शस्त्रों के बारे में मतभेद भी नि:शस्त्रीकरण में बाधक है। एक मत नहीं हो पा रहे हैं। जिससे ~~यह~~ नि:शस्त्रीकरण सफल नहीं है।

3

पृष्ठ के अंकों का योग

B S E

उत्तर → (19)

अशोक ने निम्न कार्य किये →

(1) धर्म यात्रायें →
अशोक ने बौद्ध धर्म के लिये धर्म यात्रायें की। विभिन्न देशों में जाकर प्रचार-प्रसार का कार्य किया।

(2) बौद्ध सिद्धांतों को आचरण मे लाना →
अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिये सबसे पहले बौद्ध सिद्धांतों को अपने आचरण मे लाया। जिससे इस धर्म का प्रचार हुआ।

(3) बौद्ध मठों का निर्माण →
अशोक ने अनेक बौद्ध मठों का निर्माण करवाया। जिसमें बौद्ध भिक्षु वहाँ रहते थे। अपना जीवन बिताते थे।

(4) बौद्ध धर्म को राजकीय धर्म घोषित →
बौद्ध धर्म को अशोक ने राज धर्म घोषित कर दिया जिससे उसका धर्म का प्रचार-प्रसार हुआ। उसका धर्म को व्यापकता मिली।

4
पृष्ठ के अंकों का योग

19

91	+		=	91
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 19 के अंक		कुल अंक

उत्तर (20)

सहायक संधि →

लार्ड वेलेजली मे साम्राज्यवादी भावना कूट कूट कर भरी थी उसने सहायक संधि से अपने साम्राज्य का विस्तार किया।

संधि की शर्तें →

① सहायक संधि करने वाले को अंग्रेजी शासन को सर्वोच्चता स्वीकार की।

② अपने राज्य में एक अंग्रेजी रेजीडेण्ड रखना होगा।

③ रेजीडेण्ड का खर्च भारतीय उठायेगे।

④ विदेश नीति व संधि व युद्ध नहीं करेगा।

⑤ फ्रांसीसीयों को नौकरी नहीं देगे।

साम्राज्य विस्तार →

वेलेजली ने मैसूर, मराठा, सूरत, सिंध पर ये नीति अपना कर अपने साम्राज्य का विस्तार किया।

पृष्ठ के अंको का योग

① मैसूर → मैसूर पर सहायक संधि की

91	+	4	=	95
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 20 के अंक		कुल अंक

(2) मराठा → मराठा से सहायक संधि की।

(3) सूरत → सूरत से सहायक संधि की।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि वेलेजली की सहायक संधि ने उसकी महत्वाकांक्षा को पूरा कर दिया।
अंग्रेजी साम्राज्य विस्तार करने में सहायक संधि की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

4

95/100

B
S
E

4
पृष्ठ के अंकों का योग